an>

Title: Regarding renaming of Aurangzeb road in Delhi as Dr.A.P.J. Abdul Kalam Road.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : सभापति महोदय, मैं आज एक ऐसी लोक मांग के लिए खड़ा हुआ हूँ, जो अब एक राÂट्रीय गूंज बन चुकी है।

इतिहास में कभी भी क्रूरता को जगह नहीं मिली और भविÂष्य में कभी उसे याद भी नहीं किया जा सकता है। वहीं पर उदारता को याद किया जा सकता है। अभी अभी हमारे पूर्व राÂट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम जी का निधन हुआ, जब वे स्वर्गस्थ हुए, तो पूरा राÂट्र शोक-मग्न था। मैंने स्वयं देखा, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उन्हें सलामी देकर श्रद्धांजलि दी थी। करोड़ों युवा आज उन्हें आदर्श मानते हैं। लेकिन, इसी दिल्ली में, जो भारत की राजधानी है, यहीं पर एक रोड है, जो औरंगज़ेब रोड के नाम से जाना जाता है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि औरंगज़ेब जो एक शासक था, उसकी क्रूरता का उदाहरण इतिहास में है। ऐसे क्रूर शासक के नाम पर भारत में औरंगज़ेब रोड है। इतिहास में जो भी गलतियाँ हुई हैं, उन गलतियों को भविÂष्य में सुधारने का यही अवसर है।

मैं यह मांग करता हूँ, हमारे मंत्री श्री वेंकैया नायडू जी यहाँ पर हैं, यह उनके विभाग के अंतर्गत आता है। मैंने उन्हें भी पत्र दिया है। मैंने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को भी पत्र दिया है। मीडिया और सोशल मीडिया के लाखों लोगों ने मेरी इस मांग का समर्थन किया है। संसद के कई मित्रों ने समर्थन किया है। मैं यह मांग करना चाहता हूँ कि आने वाले 15 अगस्त, राÂट्रीय पर्व के दिन उस औरंगज़ेब रोड को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड के नाम से घोÂि◌ात किया जाए और उन्हें राÂट्रीय सम्मान दिया जाए। यह मेरा आग्रह है।

माननीय सभापति : सर्वश्री अरविन्द सावंत, राजन विचारे, श्रीरंग आप्पा बारणे,

राहुल शेवाले, राम मोहन नायडू किंजरापु, एम. मुरली मोहन, निशिकांत दुबे, प्रह्लाद सिंह पटेल, भानुप्रताप सिंह वर्मा, पी.पी. चौधरी, कुँवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल, सुधीर गुप्ता, अजय मिश्रा टेनी, अर्जुन राम मेघवाल, भैरो प्रसाद मिश्र तथा सुनील कुमार सिंह को श्री महेश गिरी द्वारा उठाये गये विÂाय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री विÂणुपद राय- उपस्थित नहीं।